Roll No. : .....  Total Pages : 4

# 2601

## Second Year Arts Examination, 2016

## RAJASTHANI SAHITYA

Paper – I

(गद्य)

*Time : Three Hours*
*Maximum Marks : 100*

खण्ड-अ [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

### खण्ड-अ

**1.** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**(इकाई–I)**

(i) डॉ. गोविन्द सिंह राठौड़ की कौन-सी पुस्तक आपके पाठ्यक्रम में है?

(ii) किसका गांव सबसे अधिक सुहावना लगता है?

**(इकाई–II)**

(iii) नैणसी कौन था?

(iv) लाखो फूलाणी कौन था?

**(इकाई–III)**

(v) 'कनक सुन्दर' किसका उपन्यास है?

(vi) कनक व सुन्दर का क्या रिश्ता है?

**(इकाई–IV)**

(vii) 'कनक सुन्दर' किस तरह का उपन्यास है?

(viii) 'आयै पखी' का लेखक कौन है?

**(इकाई–V)**

(ix) अन्नाराम सुदामा के किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए।

(x) किन्हीं **दो** यथार्थवादी राजस्थानी कहानियों के नाम लिखिए।

## खण्ड-ब

**(इकाई–I)**

2. ''गांवां में गांव सुहावणौ'' में लेखक ने गांव का सामाजिक-सांस्कृतिक ताना-बाना बुना है'' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

3. ''गांवां में गांव सुहावणौ'' की उम्दा भाषा राजस्थानी के मानक रूप का सेतु सिद्ध हो सकती है। भाषागत विशेषताएँ बताइए।

## (इकाई–II)

4. 'बदळौ' एकांकी रै कथानक नै स्पष्ट करावौ।

अथवा

5. 'राजपूत री बेटी' लीक सूं हटकर एक नई दृष्टि वाला एकांकी है। कथ्य के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

## (इकाई–III)

6. 'कनक सुन्दर' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

7. 'कनक सुन्दर' में मुरलीधर एक आदर्श चरित्र है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

## (इकाई–IV)

8. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''कागला ज्यूं मर्‌या ढोर नै तकबौ करै त्यूं का त्यूं ब्राह्मण, व्याह औसर-मौसर री खबरां लेता फिरै। पण आ बात समझै नहीं के दुनियां मांहे मनुस्य देही घणी दुर्लभ है। तिका मांहे ब्राह्मण री देही तो घणी-घणी दुर्लभ है।''

अथवा

9. ..... पण हुकम भी तो देख्यो जावै है। महाराजा रै महाराजा री इज्जत है तो चाकर रै चाकर री आबरू है। जुरमानो मंजूर करणौ तो कसूर सकारणौ है। बिना कसूर अपराधी कुण बणै? आपरै मानखे नै कुण खोवै? माणखो तो जिसो ठाकर रै है, जिसो ई चाकर रै है।

**(इकाई–V)**

**10.** राजस्थानी उपन्यास के विकास को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

**11.** राजस्थानी कहानी की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड-स

**(इकाई–I)**

**12.** 'गांवां में गांव सुहावणौ' की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए।

**(इकाई–II)**

**13.** 'सोढ़ी-राणी' एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

**(इकाई–III)**

**14.** 'कनक-सुन्दर' उपन्यास की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए।

**(इकाई–IV)**

**15.** आधुनिक राजस्थानी गद्य के इतिहास को संक्षेप में समझाइए।

---